दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना- राशिफल

रायगढ़, रविवार 26 अप्रैल 2020

www.nyaysakshi.com

संपादकीय

सख्ती में समानता-व्यावहारिकता भी जरूरी

कोरोना के कहर से आतंकित देश जब बचाव की खातिर लॉकडाउन-2 में जीने को मजबूर है, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राजस्थान के देशव्यापी चर्चित कोचिंग केंद्र–कोटा शहर के हॉस्टलों में रह रहे अपने प्रदेश के छात्रों को वापस लाने के लिए बसें भेजे जाने पर बहस और राजनीति, दोनों शुरू हो गयी हैं। बेशक योगी की इस विवादास्पद पहल का कारण मानवीय बताया जा रहा है, क्योंकि लॉकडाउन के चलते इन हॉस्टलों के रसोइयों ने आना बंद कर दिया है। परिणामस्वरूप हॉस्टलों में रह रहे छात्रों के समक्ष खाने का भी संकट पैदा हो गया है। निश्चय ही भोजन जीवन यापन की पहली अनिवार्य आवश्यकता है, पर क्या ऐसी समस्या से रूबरू होने वाले कोटा में उत्तर प्रदेश के छात्र ही हैं? जाहिर है, नहीं। वहां देश के अन्य राज्यों के छात्र भी हैं। तभी तो बिहार में इस मुद्दे पर राजनीति भी शुरू हो गयी है कि जब योगी दूसरे प्रदेशों में फंसे अपने प्रदेशवासियों को निकालने के लिए पहल कर सकते हैं, तो नीतिश कुमार सरकार क्यों मूकदर्शक बनी हुई है? सच तो यह है कि देश भर में ऐसी परिस्थितियां झेल रहे कामकाजी एकाकी लोगों की संख्या करोड़ों में हो सकती है, जो भोजन के लिए उन बाहरी व्यवस्थाओं पर निर्भर हैं, जो 22 मार्च के जनता कर्फ्यू के बाद से ठप्प पड़ी हैं। ध्यान रहे कि गत 25 मार्च को लॉकडाउन के पहले चरण की घोषणा के बाद अपने घर जाने के लिए दिल्ली के अंतर्राज्यीय बस टर्मिनस पर हजारों की संख्या में इकट्ठे हो गये उत्तर प्रदेश के मूल निवासी प्रवासी मजदूरों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए योगी ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से रोडवेज बसों के रूप में मदद मांगी थी। बेशक बाद में, दिल्ली समेत देश भर में कई जगह इसी तरह इकट्ठे हो गये इन प्रवासी मजदूरों को सीधे घर भेजने के बजाय पहले निकटवर्ती स्थान पर 14 दिन तक रांटीन करने का निर्णय लिया गया। इस तरह रांटीन केंद्रों में रखे गये समेत लॉकडाउन के पहले चरण में देश भर से प्रवासियों की व्यथा-कथा की, सरकार और समाज द्वारा हरसंभव मदद के बावजूद, जो जानकारियां आयीं, वे मानवीय स्वभाव और व्यवहार के मद्देनजर कई सवाल खड़े करती हैं। जैसा कि कहा-लिखा भी गया है कि 1947 में भारत विभाजन के बाद आबादी का यह सबसे बड़ा पलायन रहा। बेशक वैसी परिस्थितियां कतई नहीं थीं, पर वे इस मामले में और भी जटिल थीं, और आज भी हैं, कि एक-दूसरे से सामाजिक दूरी या शारीरिक दूरी ही इस अबूझ बीमारी-वायरस से बचाव का एकमात्र उपाय है। ऐसे में मदद की मानवीय भावना में अपने बचाव की चाह बाधक बने तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इसके बावजूद सरकारी तंत्र से ले कर समाज ने इस अभूतपूर्व आपदाकाल में जिस तरह जरूरतमंदों की हरसंभव मदद में हाथ बढ़ाया-बंटाया है, उसकी मिसाल दुनियाभर में भी शायद ही मिले, पर कटु सत्य यह भी है कि समाज से लेकर राज्य सरकार तक भी, इस मदद की अपनी सीमाएं हैं। लॉकडाउन ने निजी-व्यापारिक आय पर ही ब्रेक नहीं लगाया है, राज्य सरकारों के राजस्व के तमाम स्रोतों पर भी विराम लग गया है, जबकि इस संकटकाल में खर्चे कई गुणा बढ़े ही हैं। इसलिए अगर ये प्रवासी जब-तब बच निकल कर अपने घर जाने की कवायद करते हैं तो हमें इस अबूझ विपत्ति काल में आर्थिक के साथ-साथ उनकी मानसिक स्थिति को भी समझने का प्रयास करना चाहिए। यह मानवीय स्वभाव ही है कि आपदाकाल में वह सबसे पहले परिजनों की चिंता करता है और उनके पास पहुंच जाना चाहता है। अब जबकि कोरोना के विश्वव्यापी कहर से उन्हें यह लगने लगा है कि स्थितियां सामान्य होने में कई माह लग सकते हैं, वे बिना किसी आय किराये के घर या मुफ्त के आश्रय स्थल में भी कितने दिन रह सकते हैं, और क्यों? अपने घर लौटने की जद्दोजहद में दिल्ली से ले कर सूरत और मुंबई तक प्रवासियों के अचानक सड़कों पर उतर आने के मूल में यह भी एक बड़ा कारक है। अब जबकि 3 मई तक लॉकडाउन-2 शुरू हो गया है, इन प्रवासियों की बेचैनी बढ़ना स्वाभाविक है।

लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन भुगतान में 30 प्रतिशत गिरावट

नयी दिल्ली,(आरएनएस)। विभिन्न क्षेत्रों में गतिविधियां ठप्प रहने से लॉकडाउन के पिछले एक माह के दौरान आनलाइन भुगतान में 30 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। यात्रा, रियल एस्टेट, लाजिस्टिक्स और खाद्य एवं पेय पदार्थों के क्षेत्र में डिजिटल लेनदेन कम होने से यह गिरावट आई है। वित्तीय प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म रेज़रपे ने यह जानकारी दी है। यह रिपोर्ट लॉकडाउन शुरू होने से पहले 24 फरवरी से लेकर 23 मार्च और उसके बाद लॉकडाउन के दौरान 24 मार्च से लेकर 23 अप्रैल 2020 के बीच

कंपनी के प्लेटफार्म पर होने वाले लेनदेन पर आधारित है। इसमें कहा गया है कि डिजिटल लेनदेन में सबसे अधिक 41 प्रतिशत गिरावट गुजरात में दर्ज किया गया है। उसके बाद मध्य प्रदेश में 39 प्रतिशत और तमिल नाडु में 26 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इस दौरान कुछ ऐसे भी क्षेत्र हैं जिनमें आनलाइन भुगतान में वृद्धि हुई है। इसमें बिजली, पानी जैसी सेवाओं, आईटी और साफ्टवेयर और मीडिया तथा मनोरंजन के क्षेत्र में डिजिटल लेनदेन में क्रमशः 73 प्रतिशत, 32 प्रतिशत और 25 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। लोगों के लॉकडाउन के दौरान घरों में ही रहने से संभवतः यह वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार वहीं दूसरी तरफ, ''लाजिस्टिक्स जैसी गतिविधियों में डिजिटल लेनदेन में 96 प्रतिशत तक गिरावट आई है, यात्रा क्षेत्र में यह 87 प्रतिशत कम हुआ है जबकि रियल एस्टेट क्षेत्र में डिजिटल लेनदेन 83 प्रतिशत कम हुआ है। किराना कारोबार में भी डिजिटल लेनदेन में इस दौरान 54 प्रतिशत कमी आई है। कंपनी का कहना है कि इस दौरान अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों में लॉकडाउन शुरू होने से पहले एक माह और लॉकडाउन शुरू होने के एक माह के बाद डजिटल लेनदेन क्रमशः 43 प्रतिशत, 32 प्रतिशत और 25 प्रतिशत कम हुआ है। रेज़रपे के सीईओ एवं सह- संस्थापक हर्षिल माथुर ने कहा ने कहा कि पिछले 30 दिन के दौरान आनलाइन भुगतान में 30 प्रतिशत की गिरावट नोटबंदी के बाद पहली बाद दिखाई दी है।

पोस्ट ऑफिस ने 412 करोड़ रुपये घरों तक पहुंचाए

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कोरोना वायरस महामारी को रोकने के लिए किए गए देशव्यापी लॉकडाउन के बीच इंडिया पोस्ट ने एक नया रेकॉर्ड कायम किया है। 24 मार्च से लेकर 23 अप्रैल के बीच देशभर के पोस्ट ऑफिस ने अपने 1.36 लाख डाकघरों के नेटवर्क के माध्यम से खासकर ग्रामीण इलाकों में लोगों को 412 करोड़ रुपये की नकदी दी है।डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स के सेक्रटरी प्रदीप्ता कुमार बिसोई ने बताया, यह इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के एईपीएस फैसिलिटी के कारण संभव हुआ, जिसके तहत किसी का किसी भी बैंक में खाता है तो वह डाकिये के जरिए पैसे अपने घर तक मंगा सकता है। इसके लिए पोस्ट ऑफिस में बचत खाते की जरूरत नहीं होती।

बिसोई ने बताया, लोगों तक डोरस्टेप बैंकिंग फैसिलिटी मुहैया कराने के काम में लगभग एक लाख पोस्टमैन कार्यरत हैं। लोग आईपीपीबी ऐप या पोस्टमैन के जरिए इलेक्ट्रिसिटी बिल, वाटर बिल, डीटीएच रिचार्ज तथा किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में मनी ट्रांसफर कर सकते हैं।

भारतीय टीम के टेस्ट दौरे के लिए यात्रा पाबंदियों में रियायत दे सकती है

मेलबर्न,(आरएनएस)। कोरोना वायरस महामारी के कारण 30 करोड़ डॉलर का नुकसान झेल रहे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को आर्थिक संकट से निकालने के लिए ऑस्ट्रेलिया सरकार इस साल के आखिर में भारतीय टीम के दौरे के लिए यात्रा पाबंदियों में रियायत दे सकती है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को वैश्विक लॉकडाउन के कारण भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। यही नहीं उसने अपने 80 प्रतिशत स्टाफ की भी छंटनी कर दी है। भारतीय टीम के दिसंबर जनवरी के दौरे से उसे राहत मिल सकती है। ऑस्ट्रेलिया की सीमाएं अभी 30 सितंबर तक सील है लेकिन यात्रा संबंधी पाबंदियां आगे भी बढ़ाई जा सकती हैं।'ईएसपीएन क्रिकइन्फो' की रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया सरकार भारतीय टीम को अगले सत्र में ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए यात्रा संबंधी प्रतिबंधों में छूट देने पर विचार कर रही है ताकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को भारी नुकसान से बचाया जा सके। रिपोर्ट में कहा गया, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस संदर्भ में सरकार की ओर से सकारात्मक जवाब मिला है।' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस वित्तीय चक्र में 50 करोड़ डॉलर का राजस्व मिलने की उम्मीद थी जिसमें बड़ी रकम प्रसारण अधिकारों से मिलती है।

एचडीएफसी ने रिलायंस कैपिटल में 6.43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली,(आरएनएस)। आवास रिण कारोबारी एचडीएफसी ने शनिवार को बताया कि उसने कर्ज बोझ से जूझ रही रिलायंस कैपिटल के अपने पास गिरवी रखे शेयरों को शर्त के अनुसार अपने काम करते हुए उसकी 6.43 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। एचडीएफसी लिमिटेड ने नियामकीय सूचना में कहा है कि कंपनी ने इन शेयरों को गिरवी रख कर उससे सामान्य व्यावसायिक तरीके से कर्ज लिए थे। कंपनी की ओर से प्रतिभूति ट्रस्टी ने इन शेयरों को एचडीएफसी के पास बंधक रखा था।

कोहली में सचिन के रिकॉर्ड से आगे निकलने की क्षमता : ब्रेट ली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि विराट कोहली ऐसे बल्लेबाज हैं, जोकि क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। ली ने क्रिकेट कनेक्टेड कार्यक्रम में कहा, हम यहां शानदार रिकॉर्ड की बात कर रहे हैं और जिस तरह से उनका पिछले सात-आठ साल का क्रिकेट करियर रहा है तथा जिस तरह से वह (विराट कोहली) आगे बढ रहे हैं, उसे देखते हुए वह निश्चित रूप से इसे हासिल कर सकते हैं।

आस्ट्रेलिया के लिए 76 टेस्ट, 221 वनडे और 25 टी 20 मैच खेलने वाले ली का मानना है कि सचिन का रिकॉर्ड तोड़ना अभी आसान नहीं है।

उन्होंने कहा, लेकिन, आप यह कैसे कह सकते हैं कि कोई सचिन तेंदुलकर से आगे निकल सकता है। वह यहां भगवान है, क्या कोई भगवान से भी बेहतर हो सकता है, हम इंतजार करेंगे और देखेंगे। सचिन ने भारत के लिए 200 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट और वनडे में मिलाकर 100 शतक लगाए हैं। सचिन ने 463 वनडे मैचों में 18426 रन बनाए हैं और इसमें 49 शतक शामिल

हैं। सचिन ने शुक्रवार को ही अपना 47वां जन्मदिन मनाया है। टेस्ट में उनके नाम 15921 रन दर्ज है और इसमें शतक शामिल है। वहीं, कोहली ने वनडे में अब तक 44 और टेस्ट में 27 शतक लगाए हैं और अब वह सचिन के रिकॉर्ड की बराबरी करने से मात्र 29 शतक ही दूर हैं।

पिछले साल के प्रदर्शन से प्रेरणा लेते हैं : नवजोत

बेंगलुरु, (आरएनएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा फारवर्ड नवजोत कौर का मानना है कि कोरोना वायरस महामारी के बावजूद पूरी टीम का मनोबल गिरा नहीं है और वे पिछले साल के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा ले रहे हैं। हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में कौर ने कहा, 'हमने 2019 में शानदार प्रदर्शन किया, खासकर एफआईएच महिला सीरिज फाइनल्स और एफआईएच हॉकी ओलिंपिक क्वॉलिफायर में मिली जीत से हमारा मनोबल काफी बढ़ा

है।' कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में खेल बंद हो गए हैं और तोक्यो ओलिंपिक भी एक साल के लिए स्थगित करने पड़े। कौर ने कहा कि टीम का पूरा ध्यान फिटनेस बनाए रखने पर है। उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया में सभी के लिए यह संकट का समय है लेकिन हमें सकारात्मक रहना होगा। हम सभी यहां फिटनेस पर और अपने कमरों में स्टिक वर्क तकनीकों पर काम कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि इसमें खिलाड़ियों को अपने शौक पूरा करने का भी मौका मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'हमें आम तौर पर समय नहीं मिलता। इस समय मैं ड्राइंग, कलरिंग करने के साथ नेट फ्लिक्स पर अपने पसंदीदा शो भी देख रही हूं।'

वरुण धवन-नताशा दलाल की सगाई लॉकडाउन के कारण टली

बॉलिवुड ऐक्टर वरुण धवन शुक्रवार यानी 24 अप्रैल 2020 को अपना 33वां जन्मदिन मना रहे हैं। बर्थडे के मौके पर फिल्म इंडस्ट्री के सभी सितारे, दोस्त और वरुण के फैन्स उन्हें विश कर रहे हैं। अपनी फिल्मों के अलावा वरुण अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड नताशा दलाल के साथ रिलेशनशिप के कारण भी चर्चा में रहते हैं। वरुण ने भी नताशा से कभी अपना रिश्ता छिपाया नहीं है। पिछले काफी समय से इस कपल की शादी का इंतजार किया जा रहा है। वरुण इस बार लॉकडाउन के बीच अपना बर्थडे परिवार के साथ घर पर ही मना रहे हैं। लेकिन कहा जा रहा है कि इस दिन वरुण और नताशा की शादी की एक बड़ी घोषणा की जानी थी। खबरों की मानें तो आज के दिन वरुण का परिवार नताशा के साथ उनकी सगाई की घोषणा करने वाला था। हालांकि इस समय कोरोना के कारण हुए लॉकडाउन और अनिश्चितता को देखते हुए इस प्लान को ड्रॉप कर दिया।

खबर तो यहां तक है कि वरुण और नताशा ने ग्लैमरस डेस्टिनेशन वेडिंग का प्लान भी बना लिया है। पिछले काफी समय से वरुण और

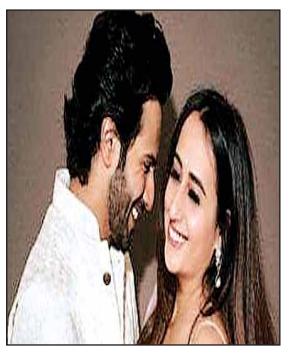

नताशा की शादी की अटकलें ही लगाई जा रही हैं। पिछले साल ही इस शादी की घोषणा पक्की मानी जा रही थी। फिर माना गया कि वरुण की फिल्म स्ट्रीट डांसर 3डी की रिलीज के कारण यह टाल दी गई थी। लगता है कि अब लॉकडाउन के कारण वरुण की सगाई फिर टल गई है।

बता दें कि वरुण की आने वाली अगली फिल्म कुली नंबर 1 की रिलीज भी टल गई है। यह फिल्म 1 मई को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसे लॉकडाउन खत्म होने के बाद रिलीज किए जाने पर फैसला किया जाएगा। डेविड धवन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में वरुण के साथ सारा अली खान लीड रोल में दिखेंगी।

रणवीर सिंह ने दिया शाहरुख खान को चैलेंज

लॉकडाउन के कुछ दिनों के लिए बढ़ जाने के साथ लोग अपने फेवरिट सिलेब्स से जुड़े तस्वीरें और वीडियोज खोजने में लगे हैं। इसी तरह शाहरुख खान का फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2018 का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो इंटरनेट पर छाया हुआ है।

लॉकडाउन के दौरान ज्यादातर लोगों को टाइमपास सोशल मीडिया बन गया है। सिलेब्स और उनके फैंस सभी सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा ऐक्टिव हैं। इस वीडियो में अवॉर्ड शो के दौरान रणवीर सिंह शाहरुख खान को चैलेंज करते हैं। वह शाहरुख से कहते हैं कि उनके सारे आइकॉनिक डायलॉग्स याद रखना मुश्किल है। वह उनसे एक बार में बोलने के लिए कहते हैं।

हालांकि जब शाहरुख माइक पकड़ते हैं तो रणवीर दंग रह जाते हैं। वह अपने सारे आइकॉनिक डायलॉग्स एक साथ खूबसूरती से मिलाकर बोलते हैं और या इससे एक नया डायलॉग बना देते हैं।

उन्हें ऐसा करते देख रणवीर ही नहीं वहां मौजूद सारे लोग उनके लिए तालियां बजाते हैं। बता दें कि कोरोनावायरस पीड़ितों के लिए सिलेब्स दिल खोलकर मदद कर रहे हैं। शाहरुख खान ने भी कई राज्यों में काफी डोनेशन दिया है। साथ ही बीएमसी को अपने ऑफिस की बिल्डिंग भी ऑफर की है। वहीं रणवीर और दीपिका भी मदद कर चुके हैं।

जॉन ने कोरोना वारियर्स को कहा शुक्रिया

बॉलीवुड के माचो मैन जॉन अब्राहम ने एक कविता के जरिये कोरोना वारियर्स को शुक्रिया कहा है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के बीच सभी अपने अंदाज में लोगों को जागरूक करने और संक्रमण से बचाने में जूझ रहे कोरोना वॉरियर्स को सलाम कर रहे हैं। बॉलीवुड स्टार जॉन अब्राहम ने भी एक कविता सुनाई है जिसमें उन्होंने कोरोना वारियर्स को सलाम किया है। इस कविता का शीर्षक 'हौसला है फिर भी दिलों में, क्यांक मेरा भारत महान है' है। यह कविता मिलाप जावेरी ने लिखी है। जॉन अब्राहम ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में इमोशनल जॉन अब्राहम एक कविता पढ़ रहे हैं। इस कविता में वे फ्रंटलाइन वर्कर्स, पुलिस और कोरोना वायरस क्राइसेस से लड़ने में मदद करने वाले अन्य सभी लोगों का शुक्रिया अदा कर रहे हैं। वीडियो में जॉन अब्राहम ने कहा , सड़के हैं लावारिस, घर पर बैठा इन्सान है। जहां खेलते थे सब बच्चे अब खाली वो मैदान है।

आज का राशिफल

मेषः- बदलता मौसम सेहत खराब कर सकता है। माता-पिता से अनबन होने की आशंका है, ोध न करें। मानसिक दृढ़ता से निर्णय लेकर काम करें।

वृषभः- सोच समझकर बोलें और ध्यान रखें की आपकी वाणी से कोई आहत न हो यदि आप शब्दों पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो अच्छे अवसर खो सकते है-ं।

मिथुनेः- रूका हुआ धन वापस आएगा। हालांकि संतान पक्ष की ओर से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यह एक मिश्रित समय है।

ककः- आय के नए स्रोत खुलेंगे। आपका शांत चित्त आपको कई परेशानियों से बचाएगा। यश, मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंहः- व्यापारिक स्थिति आशाजनक रहेगी। किसी नए उत्पाद या सेवा को शुरू करने में सफल हो सकते हैं। कारोबार का विस्तार करने के लिए समय अनुकूल है।

कन्याः- यह समय सभी के लिए फायदेमंद रहेगा। व्यापार मालिकों और नौकरी पेशा दोनों के लिए धन लाभ का समय है। इस अवधि में आप अपने प्रतिस्पर्धियों पर हावी रहेंगे।

तुलाः- पारिवारिक सुख व धन बढ़ेगा। इस समय आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा और काफी समय से चली आ रही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

वृश्चिकः- आप अधिकतर समय अपने काम में ध्यान देने से ज्यादा अपने कार्य के विषय में या अपने कार्य स्थान के बारे में अनावश्यक ही चर्चा करते रहने से आप अपना सौ प्रतिशत नहीं दे पाएंगे।

धनः- आपको आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है तथा सभी क्षेत्रों में लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। प्रेम संबंधों के प्रति आपका झुकाव अधिक रहेगा।

मकरः- आप अपने बिजनस अथवा ऑफिस की ओर से लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी यह यात्रा विदेश से जुड़ी हो सकती है।

कुंभः- जीवनसाथी की भावनाओं को समझें। किस्मत का सितारा बदल रहा है लेकिन मजबूत इच्छाशक्ति के बिना आप कामयाबी नहीं पा सकेंगे।

मीनः- किसी भी कार्य में प्रमाद हानिकारक होगा। आपको अपने परिवार के स्वास्थ्य, बीमारी या अन्य किसी क्षति पर कुछ पैसा

गर्मियों के सीजन में ऐसे पाएं घमौरियों से छुटकारा

गर्मीयों का मौसम आते ही तेज धूप और पसीने की वजह से घमौरियां हो जाती है। जिसमें सबसे ज्यादा प्रभाव बच्चों के शरीर पर पड़ता है। क्योंकि धूप में खेलने के कारण से उनके सिर, पीठ और गर्दन पर घमौरियां हो जाती है। बच्चों सहित कई बड़े लोगों पर भी घमौरियों का प्रभाव देखा जाता है।

इससे शरीर पर जलन और होने के साथ शरीर में लाल लाल दाने होने से खुजली चलना शुरू हो जाती है और इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए लोग पाउडर का उपयोग करते हैं मगर इसका प्रभाव कुछ समय के लिए ही प्रभाव दिखाता है अगर आप भी घमौरियों से छुटकारा पाना चाहते है तो जरूर अपनाये ये घरेलू टिप्स। नारियल तेल और कपूर यह बात हम सभी जानते है कि नारियल तेल त्वचा के लिए सजीवनी बूटी है। घमौरियां होने पर इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसे नहाने के बाद पूरे शरीर पर लगाकर मालिश करें। रोजाना दिन में 3 बार शरीर की मालिश करने पर घमौरियां ठीक हो जाएंगी। मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल घमौरियां होने पर शरीर पर मुल्तानी मिट्टी का पेस्ट लगाकर रखें। इससे शरीर को ठंडाहट मिलने के साथ घमौरियां से काफी फायदा होता है। देसी घीघमौरियां होने पर गाय का शुद्ध घी सबसे अच्छा उपचार माना जाता है। इसके लेप से शरीर की मालिश करें। काफी जल्द राहत मिलेगी। नीम का पेस्टनीम की पत्तियों को अच्छे से पीसकर उसका लेप बनाकर लगायें। या फिर पत्तियों को पानी में उबालें और इसे ठंडा करें। इस पानी से नहाने पर घमौरियों से जल्द छुटकारा मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य- 003

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा–जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने–पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

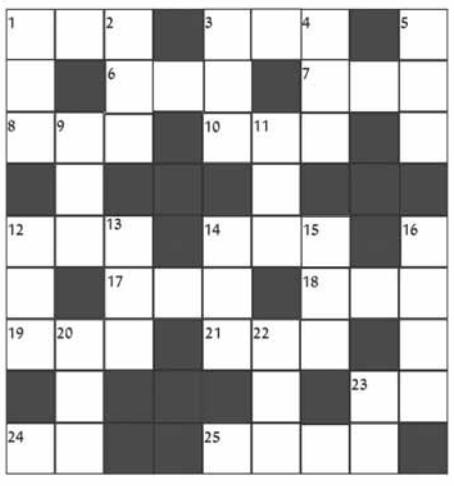

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 100 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	त्रा			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

सू-दोकू- 003

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.100 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3